



मध्य प्रदेश के गुना जिले की संस्कृति में मंदिरों की भूमिका ।

वरुण कुमार सिंह, शोधार्थी

उच्च माध्यमिक शिक्षक ,समाजशास्त्र एवं शोधार्थी

बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय समाजशास्त्र एवं समाज कार्य विभाग भोपाल।

प्रोफेसर डॉक्टर शैलजा दुबे, शोध निर्देशिका

समाजशास्त्र एवं समाज कार्य विभाग प्रमुख

उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान भोपाल मध्य प्रदेश

सारांश

मध्य प्रदेश के गुना जिले की संस्कृति में मंदिरों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह क्षेत्र धार्मिक, ऐतिहासिक, और सांस्कृतिक दृष्टि से संपन्न है। गुना जिले की संस्कृति को समझने के लिए मंदिरों को समझना होगा। यहाँ के मंदिर न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र हैं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन के भी अभिन्न अंग हैं। गुना जिले में मंदिरों की भूमिका को समझने के लिए उनके धार्मिक, ऐतिहासिक, सामाजिक, और सांस्कृतिक पहलुओं पर विस्तार से चर्चा करना अत्यंत आवश्यक है।

मुख्य शब्द - भारतीय संस्कृति, गुना, हनुमान मंदिर, धार्मिक स्थल आदि।

उद्देश्य -

- 1 गुना जिले के मंदिरों से लोगों को परिचित करवाना।
- 2 मंदिरों की भूमिका का समाज और संस्कृति में क्या स्थान है उससे अवगत कराना।
- 3 इन मंदिरों के कारण गुना जिले की सामाजिक, आर्थिक राजनीतिक और सांस्कृतिक स्थिति में क्या परिवर्तन हुआ है उन्हें देखना।
- 4 मंदिरों के कारण सामाजिक समरसता में क्या परिवर्तन आए हैं उन्हें महसूस करना।

अध्ययन विधि - साक्षात्कार और अवलोकन विधि का प्रयोग किया।

मंदिरों की भूमिका -

धार्मिक भूमिका

मध्य प्रदेश के गुना जिले में मंदिरों का धार्मिक महत्व अत्यधिक है। यह क्षेत्र वैदिक और पौराणिक परंपराओं से प्रभावित है। यहाँ के मंदिरों में राधा कृष्ण, हनुमान जी, भगवान विष्णु, शिव, देवी दुर्गा और अन्य देवताओं की पूजा होती है।



1. *पर्व और त्यौहार*:

मंदिरों में नियमित रूप से होने वाले धार्मिक अनुष्ठान और पर्व-त्यौहार, जैसे शिवरात्रि, नवरात्रि, रामनवमी, और जन्माष्टमी, जिले के लोगों को एकत्र करते हैं। इन अवसरों पर मंदिरों में भव्य आयोजन होते हैं, जो श्रद्धालुओं के लिए आध्यात्मिक अनुभव प्रदान करते हैं। साथ ही बच्चों के लिए मनोरंजन का केंद्र बन जाते हैं।

2. *तीर्थयात्रा का केंद्र*:

गुना के मंदिर आसपास के क्षेत्रों से भी भक्तों को आकर्षित करते हैं। श्री हनुमान टेकरी मंदिर गुना, बजरंग गढ़ किले में श्री हनुमान जी का मंदिर, कैंट में पंचमुखी हनुमान जी का मंदिर, बमौरी में श्री निहाल देवी का मंदिर, श्री सिद्धेश्वर मंदिर, और देवी मंदिर जैसे धार्मिक स्थल भक्तों की आस्था का प्रतीक हैं।

ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व

गुना जिले के मंदिर न केवल धार्मिक स्थल हैं, बल्कि इतिहास और वास्तुकला का भी जीवंत उदाहरण हैं।

1. *प्राचीन मंदिरों का इतिहास*:

गुना जिले में कई मंदिरों का निर्माण प्राचीन राजवंशों के काल में हुआ। ये मंदिर उस समय की कला और संस्कृति को दर्शाते हैं। उदाहरण के लिए, बमौरी के पास स्थित "श्री सिद्धेश्वर महादेव" मंदिर गुना जिले के प्राचीन और ऐतिहासिक स्थलों में से एक है।

2. *स्थानीय लोककथाएं और परंपराएं*:

मंदिरों के साथ जुड़ी लोककथाएं और किंवदंतियां क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध बनाती हैं। इन कहानियों के माध्यम से पीढ़ी-दर-पीढ़ी परंपराएं जीवित रहती हैं। और बच्चों के लिए ज्ञानवर्धक के साथ साथ उनके लिए रोचक भी।

सामाजिक भूमिका

मंदिर केवल पूजा स्थलों तक सीमित नहीं हैं; वे सामाजिक गतिविधियों के केंद्र भी हैं। आजकल वैवाहिक जीवन से संबंधित कई कार्यक्रम वही तय होते हैं। साथ ही विभिन्न मांगलिक कार्यक्रम और पार्टियों का आयोजन किया जाता है गुना के हनुमान मंदिर टेकरी, बजरंगढ़ किले पर कैंट के पंचमुखी हनुमान मंदिर पर और बमौरी में निहाल देवी मंदिर पर इसकी सुंदर व्यवस्था है



1. *सामाजिक एकता का प्रतीक*:

मंदिरों में आयोजित होने वाले सामूहिक अनुष्ठान और भंडारे, जाति और वर्ग से परे सामाजिक एकता का उदाहरण प्रस्तुत करते हैं।

2. *समुदाय के विकास में योगदान*:

कई मंदिरों द्वारा स्कूलों, धर्मशालाओं, और चिकित्सा शिविरों जैसे सामाजिक कार्यों का आयोजन किया जाता है। यह ग्रामीण और शहरी समुदायों के विकास में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करते हैं।

कला और वास्तुकला में योगदान

गुना जिले के मंदिर वास्तुकला और मूर्तिकला का उत्कृष्ट उदाहरण हैं। जैसे गुना जिले में बजरंग गढ़ किले में स्थित मंदिर।

1. *मंदिरों की संरचना*:

गुना के मंदिरों में उत्तर भारतीय मंदिर स्थापत्य शैली का प्रभाव देखा जा सकता है। इन मंदिरों के गुंबद, शिखर, और दीवारों पर की गई नक्काशी कला और तकनीक का अद्भुत उपयोग किया गया है।

2. *लोककला का संवर्धन*:

मंदिरों में धार्मिक चित्रकारी, मूर्तियां, और शिल्पकला क्षेत्रीय कलाकारों की प्रतिभा को जहां बढ़ावा देती है वहीं उन्हें अन्य कलाकृतिक से परिचित भी कराती हैं ।

धार्मिक पर्यटन और आर्थिक प्रभाव

गुना जिले के मंदिर धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देते हैं।

1. *पर्यटन का केंद्र*:

गुना के प्रमुख मंदिर स्थानीय और बाहरी पर्यटकों को आकर्षित करते हैं, जिससे जिले की अर्थव्यवस्था को बल मिलता है। आज जैसे हनुमान टेकरी के आस पास होटल, मैरिज गार्डन, फन पार्क आदि का विकसित होना।

2. *स्थानीय रोजगार के अवसर*:

मंदिरों से जुड़े पर्यटन के कारण स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर प्राप्त होते हैं, जैसे गाइड, दुकानदार, और हस्तशिल्प विक्रेता।

पर्यावरणीय और सांस्कृतिक स्थिरता में योगदान

मंदिर पर्यावरण संरक्षण और सांस्कृतिक स्थिरता को भी बढ़ावा देते हैं। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण



टेकरी मंदिर गुना, बजरंगगढ़ किले में, निहाल देवी मंदिर के आस पास, चाचौड़ा के बाघेश्वर शिव मंदिर आदि जगह पर आसानी से देख सकते हैं।

1. *वन और जल संरक्षण*:

कई मंदिर जंगलों और जलस्रोतों के पास स्थित हैं, जिससे उनका संरक्षण भी सुनिश्चित होता है। गुना के मंदिर इसका सटीक उदाहरण है।

2. *सांस्कृतिक पहचान का संरक्षण*:

मंदिर क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान को सहेजने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

निष्कर्ष

गुना जिले में मंदिर केवल पूजा और आध्यात्मिकता का केंद्र नहीं हैं, बल्कि वे सांस्कृतिक, सामाजिक, और आर्थिक गतिविधियों के भी केंद्र हैं। ये मंदिर क्षेत्र की प्राचीन परंपराओं को जीवित रखते हैं और समाज को एकजुट करने का कार्य करते हैं। धार्मिक पर्यटन, कला और संस्कृति, और सामाजिक कार्यों में मंदिरों की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता। गुना जिले की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और मंदिरों की भूमिका आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। आवश्यकता इन्हें सहेजने और संवारने की है जिससे आने वाली गुना की पीढ़ी को अपना गौरवमई संस्कृति और इतिहास से अवगत कराया जा सके।

संदर्भ सूची -

- 1 ज्ञान संपदा, मध्य प्रदेश हिंदी ग्रन्थ अकादमी।
- 2 मध्य प्रदेश जनसंपर्क विभाग की वेबसाइट।
- 3 मध्य प्रदेश सामान्य अध्ययन, TMH पब्लिकेशन।
- 4 समाचार पत्र पत्रिकाएं।
- 5 रोजगार निर्माण, मध्य प्रदेश